

बैहेतन बाँध: दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जलवदियुत बाँध

प्रलिम्स के लिये:

बैहेतन बाँध, थ्री गॉर्जेस डैम, ब्रह्मपुत्र नदी

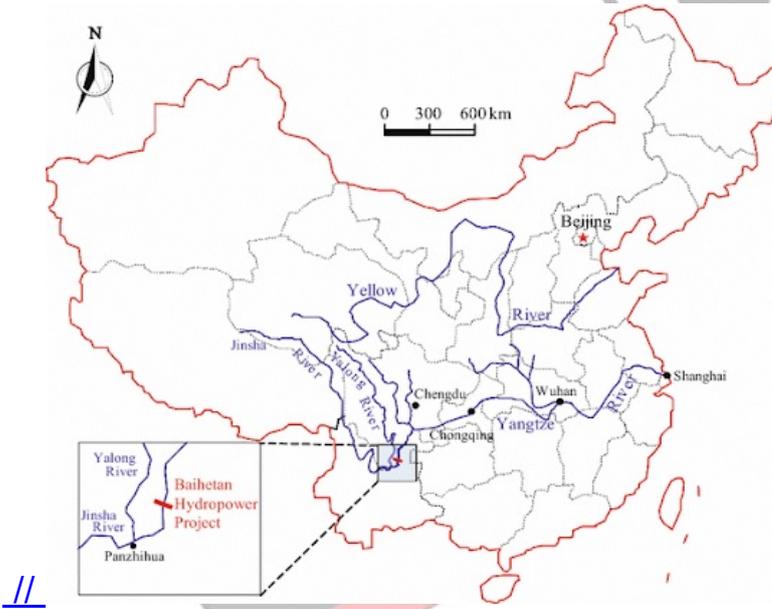
मेन्स के लिये:

चीन के लिये बाँध नरिमाण का महत्त्व और भारत पर इसका प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े जलवदियुत बाँध- बैहेतन बाँध का संचालन शुरू कर दिया है।

- चीन की यांग्त्ज़ी नदी पर स्थिति 'थ्री गॉर्जेस डैम' दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम है। इसने वर्ष 2003 में परचालन शुरू किया था।



प्रमुख बदि

बाँध के वषिय में

- यह जशिा नदी पर है, जो कयांग्त्ज़ी नदी (एशया की सबसे लंबी नदी) की एक सहायक नदी है।
- इसे 16,000 मेगावाट की कुल स्थापति क्षमता के साथ बनाया गया है।
- यह अंततः एक दिन में इतनी बजिली पैदा करने में सक्षम होगा, जो तकरीबन 500000 लोगों की एक वर्ष की बजिली ज़रूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त होगी।

चीन के लिये इसका महत्त्व

- यह अधिक जलवदियुत क्षमता का नरिमाण करके जीवाश्म ईंधन की बढ़ती मांग को कम करने संबंधी चीन के पर्यासों का हसिसा है।
 - इसका नरिमाण ऐसे समय में कया गया है जब पर्यावरण संबंधी शकियातों (जैसे क खेतों में बाढ़ और नदियों की पारसिथतिकी में व्यवधान, मछलियों एवं अन्य परजातियों के लयि खतरा आदी) के कारण अन्य देश बाँध नरिमाण के पक्ष में नहीं हैं।
- चीन ने वर्ष 2020 में वर्ष 2060 तक कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रतजिजा की थी, जसिने इस बाँध के नरिमाण के नरिणय को लेकर चीन की तात्कालकिका को और बढ़ा दिया था।

चीन की अन्य आगामी परयोजनाएँ:

- तबिबत के मेडोग काउंटी (Tibet's Medog County) में चीन द्वारा मेगा-डैम की योजना जो आकार में थ्री गॉर्जजि डैम (Three Gorges Dam) से भी वशाल है, के संबंध में वशिलेषकों का मानना है कयिह तबिबती सांस्कृतिक वरिसत के लयि एक खतरा है, साथ ही यह बीजगि द्वारा भारत की जल आपूरतके एक बड़े हसिसे को प्रभावी ढंग से नरिंतरति करने का एक तरीका है।
 - इस योजना के तहत **ब्रह्मपुत्र नदी** (Brahmaputra River) के नचिले हसिसे में एक बाँध का नरिमाण कया जाना है।
 - ब्रह्मपुत्र वशिव की सबसे लंबी नदियों में से एक है।
 - ब्रह्मपुत्र नदी तबिबत में हमिलय से शुरू होकर अरुणाचल प्रदेश राज्य में भारत में प्रवेश करती है, फरि असम, बांग्लादेश से बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गरि जाती है।
- चीन के मेकांग वाले क्षेत्र में बाँधों के प्रभाव ने इस आशंका को भी बढ़ा दिया है कइनके नरिमाण से उस नचिले जलमार्ग में अपरविरतनीय क्षति हो रही है जो वयितनामी डेल्टा से होकर गुजरता है तथा 60 मलियन लोगों को पोषण/भोजन उपलब्ध कराता है।

चतिएँ:

- **कृषि:**
 - एक वशाल बाँध (जैसे ब्रह्मपुत्र पर) नदी द्वारा लाई गई गाद को भारी मात्रा में रोक सकता है (सलिट्टी मट्टी अन्य प्रकार की मट्टी की तुलना में अधिक उपजाऊ होती है और यह फसल उगाने के लयि अच्छी होती है)।
 - इससे नदी के नचिले इलाकों में खेती प्रभावति हो सकती है।
- **जल संसाधन:**
 - भारत पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम में मानसून के दौरान बाढ़ का पानी छोड़े जाने को लेकर भी चतिति है।
 - देशों के बीच गतरिध के समय यह परविरतन चतिति का वषिय है।
 - भारत और चीन के बीच वर्ष 2017 के डोकलाम सीमा (Doklam Border) गतरिध के दौरान चीन ने अपने बाँधों से जल स्तर को रोक दिया था।
- **पारसिथतिकि प्रभाव:**
 - हमिलयी क्षेत्र में पारसिथतिकी तंत्र पहले से ही गरिवट की स्थिति में है। जंगल और जीवों की कई परजातियों दुनया के इस हसिसे के लयि स्थानकि हैं तथा उनमें से कुछ गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। पारसिथतिकि रूप से संवेदनशील इस क्षेत्र में इसके वनिशकारी परणाम हो सकते हैं।
 - बड़े पैमाने पर इंजीनयरिग परयोजनाओं ने भी सैकड़ों-हज़ारों स्थानीय समुदायों को वसिथापति कर दिया है और पड़ोसी देशों के समक्ष चतिति की स्थिति पैदा कर दी है।

आगे की राह

- भारत ने चीन से यह सुनश्चति करने का आग्रह कया है कअपस्टरीम क्षेत्रों में कसि भी गतरिधि से डाउनस्टरीम राज्यों के हतियों को नुकसान न पहुँचे। इस बीच भारत चीनी बाँध के प्रतकिल प्रभाव को कम करने के लयि अरुणाचल प्रदेश में दबिांग घाटी में 10 गीगावाट (GW) की जलवदियुत परयोजना बनाने पर वचिार कर रहा है।
- हालाँकि बड़ा मुद्दा यह है कएक नाजुक पहाड़ी परदृश्य में बहुत अधिक जल-वदियुत वकिस एक अच्छा वचिार नहीं है।

स्रोत: लाइवमटि